बी० ए० I
समाज शास्त्र

समिति - (Association)

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और इसरूप में उसकी असंख्य आवश्यकताएं हैं। अपने अस्तित्व को बनाये रखने और समुदाय में अपने जीवन को ठीक प्रकार से चलने के लिए इन आवश्यकताओं की पूर्ति आवश्यक है इस प्रकार स्पष्ट है कि जब कुछ लोग मिलकर अपनी आवश्यकताओं आदि उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सहयोग करते हैं। संगठन बनाकर प्रयत्न करते हैं। तो ऐसे संगठन को ही समिति कहा जाता है।

समीति की परिभाषा —

मैकाइवर एंव पेज के अनुसार — "समिति मनुष्यों का एक समूह है। जिसे किसी सामान्य उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संगठित किया गया है।"

फेयरचाइल्ड के अनुसार — "समिति एक ऐसा संगठनात्मक समूह है जिसका निर्माण सामान्य उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया गया है जिसका अपना आत्मनिर्भर प्रशासकीय ढाचा तथा कार्यकर्ता होते हैं।"

ऑगबर्न एंव निमकाफ के अनुसार — समिति एक

भूमिका संघर्ष — विभिन्न कारकों के कारण पति-पत्नि दोनो धन अर्जन करने लगे हैं किन्तु कमाने वाली स्त्रियों की आशाओं और वैवाहिक जीवन से जुड़ी आदर्शात्मक आकांक्षाओं में अन्तर्विरोध के कारण संघर्ष उत्पन्न होने लगा है।

यौन-सम्बन्धों की असन्तुष्टि — जहा पति-पत्नि में चारित्रिक दृढ़ता पाई जाती है। वे एक दूसरे से अपनी यौन-इच्छाओं की पूर्ति करते है। वहा वैवाहिक जीवन पनपा रहता है।

वैधानिक सुविधाए — तलाक को कानूनी मान्यता मिला है। विशेष विवाह अधिनियम 1954 तथा हिन्दु विवाह अधिनियम 1955 के माध्यम से पति-पत्नि दोनो को कानूनी रूप में तलाक करने की स्वतन्त्रता प्रदान की गई है। जब कानूनी किसी चीज को मान्यता देती है।

वैधानिक सुविधाएँ — तलाक को कानूनी मान्यता मिला है।

विवाह विशेष अधिनियम 1954 तथा हिन्दु विवाह अधिनियम 1955 के माध्यम से पति-पत्नि दोनो को कानूनी रूप मे तलाक करने की स्वतन्त्रता प्रदान की गई है जब कानून किसी चीज को मान्यता देता है।

वैसे तलाक से सम्बन्धित सर्वप्रथम विधान कोल्हापुर राज्य मे हिन्दुओ के लिए 1920 मे, इसाइयो के लिए 1869 मे और पारसियो के लिए 1936 मे लागू हुआ

1976 और 1981 मे 1955 के हिन्दु विवाह अधिनियम ने भी काफी संशोधन हुए है इन अधिनियमो का उद्देश्य भारतीय स्त्रियो की स्थिति सुधारने की दृष्टि से किया गया।

इस प्रकार स्पष्ट होता है तलाक अनेक कारणो का परिणाम है इसके अतिरिक्त स्त्री-शिक्षा स्त्री आन्दोलन सामाजिक गतिशीलता धन के बढ़ते महत्व आदि कारणो ने भी तलाक को प्रेरित किया है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया